

कहानीकार योगेंद्र आहूजा को 'आनंद सागर स्मृतिकथाक्रम सम्मान'

चर्चा में क्यों?

4 अक्टूबर, 2023 को आनंद सागर स्मृतिकथाक्रम सम्मान समिति की बैठक में कहानीकार योगेंद्र आहूजा को 'आनंद सागर स्मृतिकथाक्रम सम्मान' दिये जाने का निर्णय लिया गया।

प्रमुख बिंदु

- बैठक में संयोजक शैलेंद्र सागर, वरिष्ठ कहानीकार शविमूर्ति, रंगकर्मी अखलिश और लेखिका रजनी गुप्त शामिल रही।
- आनंद सागर स्मृतिकथाक्रम सम्मान के अंतर्गत 21 हजार रुपए व सम्मान चहिन प्रदान किया जाएगा। यह सम्मान पाँच नवंबर को समारोह में दिया जाएगा।
- वरिष्ठ साहित्यकार शैलेंद्र सागर ने बताया कि 1 दिसंबर, 1969 को उत्तर प्रदेश के बदायूँ में जन्मे योगेंद्र आहूजा हिन्दी कथा साहित्य के वशिष्ठ एवं चर्चित कहानीकार हैं। उन्होंने उत्तराखंड के काशीपुर तथा उत्तर प्रदेश के बरेली ज़िले में शिक्षा ग्रहण की। योगेंद्र आहूजा की पहली कहानी प्रतष्ठिति पत्रिका पहल में 1991 में प्रकाशित हुई। इसके बाद लेखक ने मर्स्या, गलत, एक पुरानी कहानी, खाना, लफ्फाज, कुशती, एक्यूरेट, पैथोलॉजी जैसी लोकप्रिय कहानियाँ लिखीं।
- योगेंद्र आहूजा का पहला कहानी संग्रह अंधेरे में हँसी 2004 में प्रकाशित हुआ। अभी हाल ही में पुस्तक टूटते तारों तल प्रकाशित को पूर्व में कथा पुरस्कार, परविश सम्मान, वजिय वर्मा सम्मान, रमाकांत स्मृति पुरस्कार, संपदन सम्मान और प्रेमचंद स्मृति सम्मान मलि चुका है।



